NCERT SOLUTIONS

CLASS - 11th



aglasem.com

Class : 11th
Subject : History
Chapter : 3
Chapter Name : तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य

Q1 यदि आप रोम साम्राज्य में रहे होते तो कहां रहना पसंद करते नगरों में या ग्रामीण क्षेत्र में? कारण बताइए।

Answer. रोमन साम्राज्य भौगोलिक सीमाओं की दृष्टि से से काफी विस्तृत था। इसमें पश्चिमी एशिया तथा उत्तरी अफ्रीका का बहुत बड़ा उर्वर हिस्सा और अधिकांशतः यूरोप शामिल था। निश्चित रूप से यदि मैं रोमन साम्राज्य में रहा होता नगरों में रहना पसंद करता इसके अनेक कारण है, जैसे - नगरों की सामाजिक संरचना, मौलिक सुविधाएं, सुरक्षा, शिक्षा, शासन-प्रणाली, खाद्य-पदार्थों की आपूर्ति, परिवहन-यातायात, संपर्क आदि जैसी आवश्यकताओं की पूर्ति बिना किसी अवरोध के हो सकती।

Page : 76 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q2 इस अध्याय में उल्लिखित छोटे शहरों बड़े नगरों समुद्र और प्रांतों की सूची बनाइए और उन्हें नक्शे पर खोजने की कोशिश कीजिए क्या आप अपने द्वारा बनाई गई सूची में संकलित किन्हीं तीन विषयों के बारे में कुछ कह सकते हैं?

Answer. अध्याय में उल्लिखित उपरोक्त बिंदु इस प्रकार हैं -
. छोटे शहर और बड़े नगर – सिकंदरिया (अलेक्जेंड्रिया), एंटीऑक, कार्थेज, कुस्तुनतुनिया, बगदाद, इराक, अफगानिस्तान आदि।
. समुद्र - भूमध्य सागर, कैस्पियन सागर, टिरेनियन सागर, एड्रियाटिक सागर, काला सागर, लाल सागर।
. प्रान्त - ट्यूनीशिया, मेसिडोनिया, गॉल, हिस्पैनिया, बेटीका इत्यादि।
.नदियाँ-नील ,फरात,राईन,डेन्यूब आदि
तीन विषयों के बारे में-
1- शहर-रोमन साम्राज्य में नगरों की विशेष महत्वता व भूमिका थी|कई प्रमुक नगर उनकी विशेषताओं के कारण जाने जाते थे |
2-नदी-राईन नदी व डेन्यूब नदी रोमन साम्राज्य में इसलिए महत्वपूर्ण थी क्योंकि वह सीमा निर्धारण का कार्य करती थी|

नोट: मानचित्र का कार्य छात्र स्वयं करें|

Page : 76 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q3 कल्पना कीजिए कि आप रोम की एक ग्रहणी हैं जो घर की जरूरत की वस्तुओं की खरीदारी की सूची बना रही हैं अपनी सूची में आप कौन-कौन सी वस्तुएं शामिल करेंगी?

Answer. रोमन साम्राज्य मानव इतिहास की उत्कृष्ट सभ्यता का व्यापक उदाहरण है, ऐसे में यदि इस दौर की घर की जरूरतों की सूची एक ग्रहणी के अनुरूप बनाई जाए उसने प्रमुख रूप से - खाद्य पदार्थों में मक्खन, मांस, रोटी,

चीनी, शराब, जैतून का तेल। वस्त्रआदि में गहने, परिवार के लोगों के कपड़े और रोजमर्रा की चीजों में साबुन झाड़ू, औषधी, खिलौने, धातु के सजावटी सामान इत्यादि शामिल किए जा सकते हैं।

Page : 76 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q4 आपको क्या लगता है कि रोमन सरकार ने चांदी में मुद्रा को ढालना क्यों बंद कर दिया होगा वह सिक्कों के उत्पादन के लिए कौन सी धातु का प्रयोग करने लगे?

Answer. सम्राट कांसटेनटाइन द्वारा सोने के सिक्कों का प्रचलन किया गया। उसने 'सॉलिडस' नाम का शुद्ध सोने का सिक्का चलाएं। जिसका वजन 4.5 ग्राम था। रोमन साम्राज्य में धातुओं में सोने का विशेष प्रचलन पहले से चला आया था इसके पूर्व रोमन साम्राज्य में चांदी के सिक्के भले ही प्रचलन में थे किंतु विविध स्रोतों से चांदी की आपूर्ति पूरी ना हो पाने के कारण इनको बंद कर दिया गया,खासकर जब स्पेन से की खानों से चांदी मिलना बंद हो गया तो वहां से चांदी का आयात बंद कर दिया गया । चांदी के सिक्कों में 'दीनारियस' प्रमुख सिक्का था।

Page : 76 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q5 अगर सम्राट त्राजान राजा भारत पर विजय प्राप्त करने में वास्तव में सफल होते और रोमवासियों का इस देश पर अनेक सदियों तक कब्जा रहा होता तो आप क्या सोचते हैं कि भारत वर्तमान समय के देश से किस प्रकार भिन्न होता?

Answer. मार्कस उलपियस नर्वा त्राजान 98 ईसवी से लेकर 117 ईसवी तक रोमन साम्राज्य का सम्राट रहा, 115-16 ईसा के आस-पास व वह फरात नदी के रास्ते पार्थियन की राजधानी टेसिफ़हून पहुंचा और फिर वहां से फारस की खाड़ी तक पहुंच गया। निश्चित रूप से उसके मन में भारत विजय की लालसा थी। इस संदर्भ में इतिहासकार कैशियस डिपो का कहना है 'वह भारत की ओर जाने वाले किसी वाणिज्य पोत को लालायित नजरों से देख रहा था और चाह रहा था कि काश वह सिकंदर जैसा जवान होता'।

इस आक्रमण से तत्कालीन भारत की सांस्कृतिक सामाजिक राजनीतिक एवं आर्थिक परिस्थितियों में काफी परिवर्तन होता जिसके परिणाम आधुनिक भारत में भी दिखाई पड़ते। किसी भी शासक के द्वारा विजित प्रदेश को अपने साम्राज्य में मिलाने के उपरांत वह उसके अधिकार क्षेत्र में आ जाता है इसलिए उसकी प्रशासनिक नीतियां उस भू-भाग के वर्तमान और भविष्य को दिशा देती हैं। यदि आक्रमण सफल रहता तो भारत और रोम की सभ्यताओं का एक मिश्रित रूप वर्तमान भारत में देखने को मिलता। इसमें निश्चित रूप से भारतीय परंपराओं का लोप होता और रोमन तौर-तरीकों का व्यापक मिश्रण। हमारी वेशभूषा, खानपान, रहन-सहन, समाज, भाषा, राजनीति, साहित्य, ज्ञान-विज्ञान, और धर्म जैसी संस्थाओं में परिवर्तन निश्चित थे। इसका उदाहरण हम आगे हुए अनेक विदेशी आक्रमणों के रूप में देख सकते हैं। जिसमें संघर्ष के उपरांत सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं आर्थिक हस्तानांतरण दो सभ्यताओं के मध्य आज भी देखे जा सकते हैं।

जिस समय में (115-16) त्राजान भारत अभियान की योजना बन रहा था, उस दौर में एंटीऑक भयंकर भूकंप से पीड़ित था। निश्चित रूप से भारत की समृद्ध उर्वर भूमि एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों का दोहन ही राजन का मुख्य उद्देश्य रहा होगा। अतः यह कहा जा सकता है की यदि यह आक्रमण होता तो भारतीय समाज और संस्कृति का आधुनिक रूप पृथक होता।

Page : 76 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए

Q6 अध्याय को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसमें से रोमन समाज और अर्थव्यवस्था को अपनी दृष्टि में आधुनिक दर्शाने आने वाले आधारभूत अभिलक्षण चुनिए।

Answer. रोमन साम्राज्य की सामाजिक व्यवस्था और अर्थव्यवस्था को उत्कृष्ट दर्शाने वाले आधारभूत अभिलक्षण निम्न बिंदुओं में स्पष्ट रूप से सामने आते हैं-
सामाजिक व्यवस्था - रोमन साम्राज्य भौगोलिक सीमाएं काफी विस्तृत थीं। ऐसे में सामाजिक संगठन के निमित्त श्रम प्रबंधन का विशिष्ट प्रावधान किया गया था। इतिहासकार टीसीएस ने प्रारंभिक साम्राज्य के प्रमुख सामाजिक समूहों में - सीनेटर, अश्वारोही और कमीनकारू तीन वर्ग बांटे हैं। आगे सीनेटर और अश्वारोही मिलकर अभिजात वर्ग में परिवर्तित हो गए और इन्हीं से मध्यमवर्ग या नौकरी और सैन्य सेवा में शामिल लोगों का समाज निकला। रोमन साम्राज्य में दासों का प्रचलन बड़े स्तर पर देखा जाता है। समाज में स्त्री और पुरुषों को समान अधिकार प्राप्त थे, विवाह की उम्र निश्चित थी एवं पिता की संपत्ति पर पहला अधिकार उसकी पुत्री का होता था।

अर्थव्यवस्था - रोमन साम्राज्य का आर्थिक ढांचा काफी मजबूत था इसमें साम्राज्य के विविध बंदरगाह, खदानों, जैतून की फैक्ट्रियों आदि की संख्या उन दिनों औद्योगिक स्तर की थी। इसके अलावा कृषि उत्पादों का आयात-निर्यात भी हुआ करता था। जैतून का तेल इसमें प्रमुख तत्व था। इसके अलावा स्पेन की सोने और चांदी की खानों में अन्य खनिजों का उत्खनन किया जाता था। यह उत्पादन काफी उच्च स्तर पर किया जाता था। अर्थव्यवस्था की उन्नति का स्तर रोमन साम्राज्य की तत्कालीन बैंकिंग-व्यवस्था और धन का व्यापक रूप से प्रयोग इन बातों से स्पष्ट होता है। पाँचवीं शताब्दी के प्रारम्भिक काल के इतिहासकार ओलिंपियोडोरस जो कि एक राजदूत भी था, उसके अनुसार रोम नगर में रहने वाले कुलीन परिवारों को उनकी संपदाओं से 4000 पाउंड सोने के बराबर पूर्ण मुनाफ़ा होता था।

Page : 76 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए

aglasem.com